चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	7-10-22	5	5-8

विश्व की संस्कृतियों को साथ लाने में अनुवादकों का महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. काम्बोज

हिसार, 6 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान अपने आपमें एक उपलब्धि है और एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना एक बड़ी उपलब्धि है।

विश्वविद्यालय के छात्र निदेशालय के अंतर्गत यंग जर्नलिज्म सैल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए कुलपति ने कहा वास्तव में विभिन्न सभ्यताओं, भाषाओं, देशों और महाद्वीपों के बीच अनुवाद के माध्यम से ही संवाद संभव हो सकता है। इसलिए अनुवाद महज एक भाषाई गतिविधि न रहकर सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय महत्व का कार्य बन गया है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बढ़ते हुए आदान-प्रदान को अनिवार्यता से भी अनुवाद एवं अनुवाद कार्य का महत्व बढ़ गया है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि विश्व स्तर पर अपनी बात रखना केवल अनुवाद के माध्यम से संभव हो सकता है। हर देश को एक वैश्विक मंच देने वाला संगठन संयुक्त राष्ट्र के निर्माण में भी अनुवादकों की अहम भूमिका रही है। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय और डॉ. मंजू महता ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें सभी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रतियोगिता में खुशबू ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय तथा मोहित सैनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अन्य प्रतिभागियों को भी सर्टीफिकेट व पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 63 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निर्णायक की भूमिका डॉ. अपर्णा व डॉ. कृष्णा हुड्डा ने निभाई।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ विजेता विद्यार्थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	7-10-22	2	7-8

एचएयू में हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता का किया आयोजन

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ विजेता विद्यार्थी। • पीआरओ

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान अपने आपमें एक उपलब्धि है और एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना एक बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के छात्र निदेशालय के अंतर्गत यंग जर्नलिज्म सेल द्वारा अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए उन्होंने कहा वास्तव में विभिन्न सभ्यताओं, भाषाओं, देशों और महाद्वीपों के बीच अनुवाद के माध्यम से ही संवाद संभव हो सकता है। इसलिए अनुवाद महज एक भाषाई गतिविधि न रहकर सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय महत्व का कार्य बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देशों के बीच राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बढ़ते हुए आदान-प्रदान की अनिवार्यता से भी अनुवाद एवं अनुवाद कार्य का महत्व बढ़ गया है। छात्र कल्याण निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि विश्व स्तर पर अपनी बात रखना केवल अनुवाद के माध्यम से संभव हो सकता है। प्रतियोगिता में खुशबु ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय तथा मोहित सैनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अन्य प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट व पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 63 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	7-10-22	7	1-3

विश्व की संस्कृतियों को साथ लाने में अनुवादकों का महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. काम्बोज

हकृवि में हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार, 6 अक्तूबर (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान अपने आपमें एक उपलब्धि है और एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना एक बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के छात्र निदेशालय के अंतर्गत यंग जर्नलिज्म सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने कहा वास्तव में विभिन्न सभ्यताओं, भाषाओं, देशों और महाद्वीपों के बीच अनुवाद के माध्यम से ही संवाद संभव हो सकता है। इसलिए अनुवाद महज एक भाषाई गतिविधि न रहकर सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय महत्व का कार्य बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देशों के बीच राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बढ़ते हुए आदान-प्रदान की अनिवार्यता से भी अनुवाद एवं अनुवाद कार्य का महत्व बढ़ गया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि विश्व स्तर पर अपनी बात रखना केवल अनुवाद के माध्यम से संभव हो सकता है। हर देश को एक वैश्विक मंच देने वाला संगठन संयुक्त राष्ट्र के निर्माण में भी अनुवादकों की अहम भूमिका रही है। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय और डॉ. मंजू महता ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें सभी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ विजेता विद्यार्थी।

इन विद्यार्थियों ने जीते पुरस्कार : प्रतियोगिता में खुशबु ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय तथा मोहित सैनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अन्य प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट व पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 63 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बतौर निर्णायक डॉ. अपर्णा व डॉ. कृष्णा हुड्डा उपस्थित रहे। यंग जर्नलिज्म सेल के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	7-10-22	10	1-3

विश्व की संस्कृतियों को साथ लाने में अनुवादकों का योगदान अहम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान अपने आपमें एक उपलब्धि है और एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना एक बड़ी उपलब्धि है। विवि के छात्र निदेशालय के अंतर्गत यंग जर्नलिज्म सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न सभ्यताओं, भाषाओं, देशों और महाद्वीपों के बीच अनुवाद के माध्यम से ही संवाद संभव हो सकता है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि विश्व स्तर पर अपनी बात रखना केवल अनुवाद के माध्यम से संभव हो सकता है। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय और डॉ. मंजू महता ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ विजेता विद्यार्थी।

इन विद्यार्थियों ने जीते पुरस्कार: प्रतियोगिता में खुशबू ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय तथा मोहित सैनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अन्य प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट तथा पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 63 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में खतौर निर्णायक डॉ. अपर्णा व डॉ. कृष्णा हुड्डा उपस्थित रहे। यंग जर्नलिज्म सेल के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-10-22	2	4-5

एचएयू में अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस पर प्रतियोगिता

हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता में छात्रा खुशबू पहले स्थान पर रही

हिटी रिपोर्टर |

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान अपने आप में एक उपलब्धि है और एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना एक बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के छात्र निदेशालय के अंतर्गत यंग जर्नलिज्म सेल द्वारा अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस मौके पर वीसी ने कहा वास्तव में विभिन्न सभ्यताओं, भाषाओं, देशों और महाद्वीपों के बीच अनुवाद के माध्यम से संवाद संभव हो सकता है। इसलिए अनुवाद महज एक भाषाई गतिविधि न रहकर सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय महत्व का कार्य बन गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बढ़ते हुए आदान-प्रदान की अनिवार्यता से भी अनुवाद एवं अनुवाद कार्य का महत्व बढ़ गया है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि विश्व स्तर पर अपनी बात रखना केवल अनुवाद के माध्यम से संभव हो सकता है। हर देश को एक वैश्विक मंच देने वाला संगठन संयुक्त राष्ट्र के निर्माण में भी अनुवादकों की अह्म भूमिका रही है। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय और डॉ. मंजू महता ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

एचएयू के वाइस चांसलर प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ विजेता विद्यार्थी।

इन विद्यार्थियों ने जीते पुरस्कार

प्रतियोगिता में खुशबू ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय तथा मोहित सैनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अन्य प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट व पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 63 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में बतौर निर्णायक डॉ. अपर्णा व डॉ. कृष्णा हुड्डा उपस्थित रहे। यंग जर्नलिज्म सेल के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	7-10-22	4	3-4

अनुवाद प्रतियोगिता में खुशबू रही अव्वल

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान अपने आपमें एक उपलब्धि है। एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना और बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के छात्र निदेशालय के अंतर्गत यंग जर्नलिज्म सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में खुशबू प्रथम, गौरव द्वितीय, मोहित सैनी तृतीय रही। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय, डॉ. मंजू महता ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। डॉ. अपर्णा व डॉ. कृष्णा हुड्डा ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। डॉ. देवेंद्र सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	7-10-22	7	7-8

हकृवि में हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान और एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के छात्र निदेशालय के अंतर्गत यंग जर्नलिज्म सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने कहा कि वास्तव में विभिन्न सभ्यताओं, भाषाओं, देशों और महाद्वीपों के बीच अनुवाद के माध्यम से ही संवाद संभव हो सकता है। इसलिए अनुवाद मात्र एक भाषाई गतिविधि न रहकर सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय महत्व का कार्य बन गया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ अतुल ढींगड़ा ने कहा कि विश्व स्तर पर अपनी बात रखना केवल अनुवाद के माध्यम से संभव हो सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.10.22	4	7-8

अच्छे उत्पादन को बरसीम की उन्नत किस्म की अक्टूबर में करें बिजाई

बरसीम चारे में 18-22 प्रतिशत होती है प्रोटीन की मात्रा

महबूब अली | हिसार

सर्दियों में हरे चारे के रूप में बरसीम महत्वपूर्ण है, क्योंकि पशु आहार की दृष्टि से यह गुणकारी चारा है। बरसीम के चारे में 18-22 प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा होती है। अक्टूबर में बरसीम की उन्नत किस्म की पैदावार कर किसान अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज का कहना है कि फसलों के प्रति किसानों को गोष्ठी और ऑनलाइन माध्यम से भी जानकारी दी जा रही है। खरपतवार कम करने को एक एकड़ में 8-10 किलो बीज को 1% नमक के घोल में डालकर रखना चाहिए।

ये हैं उन्नत किस्में...

1. मैस्कावी: उत्तर भारत में प्रचलित यह बरसीम की पुरानी किस्म है। यह जल्दी फुटाव के साथ नवम्बर से मई तक 4-5 कटाइयां देती है।
2. हिसार बरसीम 1: यह बरसीम की उन्नत किस्म है। इसमें 700 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हरा चारा व 90-100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर शुष्क चारा देती है।
3. हिसार बरसीम 2: यह बरसीम की नई उन्नत किस्म है। यह किस्म 780-800 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हरा चारा देती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7.10.22	5	1-3

कपास दिवस पर विशेष • कपास की तरफ बढ़ रहा रुझान

प्रदेश में 9 से बढ़कर 17 जिलों में पहुंची कपास खेती, 10 साल में रकबा भी बढ़ा

महबूब अली | हिसार

आज विश्व कपास दिवस है। कपास की खेती की बात की जाए तो हरियाणा में पहले 9 जिलों में इसकी बिजाई होती थी मगर पिछले करीब 10 साल से किसानों का रुझान कपास की खेती के प्रति बढ़ा है। अब 17 जिलों में किसान कपास की बिजाई करते हैं। कपास का रकबा 2011-12 में 6. 41 लाख हेक्टेयर था, अब बढ़कर 7.37 लाख हेक्टेयर हो गया है। हरियाणा में कपास का औसत उत्पादन उत्तरी क्षेत्र में राजस्थान के बाद दूसरे नंबर पर है। राजस्थान में औसत उत्पादन 640 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। जबकि हरियाणा में 580 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर पर है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज का कहना है कि कपास की फसल के प्रति लगातार प्रदेश के किसानों को जागरूक किया जा रहा है। कपास की कीट खास तौर पर गुलाबी सुंडी की रोकथाम पर सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर समाधान किया जा रहा है। कई रिसर्च भी चल रही हैं। समय-समय पर एचएयू के कपास अनुभाग के वैज्ञानिक किसानों के खेतों का दौरा कर फसल में आने वाली दिक्कतों का मौके पर समाधान करते हैं। विश्वविद्यालय की तरफ से हर 15 दिन में कपास की बेहतर खेती के लिए वैज्ञानिक सुझाव एडवाइजरी के माध्यम से किसानों तक कपास के सीजन में पहुंचाए जाते हैं। **इन 9 जिलों में होती थी कपास की बिजाई** : हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, जींद, रोहतक, कैथल, झज्जर, महेंद्रगढ़।

अब इन 17 जिलों में हो रही कपास की खेती : सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, जींद, हिसार, रोहतक, कैथल, झज्जर, महेंद्रगढ़, चरखी-दादरी, रेवाड़ी, पलवल, कुरुक्षेत्र, अम्बाला, यमुनानगर, करनाल आदि।

11-12 हजार हेक्टेयर रकबे में टपका विधि से होती है कपास की बिजाई

कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नकदी फसल है। हरियाणा में कपास का औसत उत्पादन उत्तरी क्षेत्र में राजस्थान के बाद दूसरे स्थान पर है। नरमा कपास की एचएस-6 हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा निकाली गई एक बहुत प्रचलित किस्म रही है। मगर बीटी कपास के आने के बाद इसकी बिजाई कम हो गई। देसी कपास में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एचडी-123 व एचडी-432 किसानों की पहली पसंद है। नरमा कपास की बिजाई हरियाणा में लगभग 11-12 हजार हेक्टेयर रकबे में टपका विधि के द्वारा की जाती है। टपका विधि से रेतीली मिट्टी में नरमा की पैदावार बेहतर रहती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	06.10.2022	--	--

विश्व की संस्कृतियों को साथ लाने में अनुवादकों का महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा ब्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान अपने आपमें एक उपलब्धि है और एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना एक बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के छात्र निदेशालय के अंतर्गत यंग जर्नलिज्म सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने कहा वास्तव में विभिन्न सभ्यताओं, भाषाओं, देशों और महाद्वीपों के बीच अनुवाद के माध्यम से ही संवाद संभव हो सकता है। इसलिए अनुवाद महज एक भाषाई गतिविधि न रहकर सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय महत्व का कार्य बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देशों के बीच राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बढ़ते हुए आदान-प्रदान की अनिवार्यता से भी अनुवाद एवं अनुवाद कार्य का महत्व बढ़ गया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि विश्व स्तर पर अपनी बात रखना केवल अनुवाद के माध्यम से संभव हो सकता है। हर देश को एक वैश्विक मंच देने वाला संगठन संयुक्त राष्ट्र के निर्माण में भी अनुवादकों की अहम भूमिका रही है। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय और डॉ. मंजू महता ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें सभी गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

इन विद्यार्थियों ने जीते पुरस्कार

प्रतियोगिता में खुशबु ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय तथा मोहित सैनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अन्य प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट व पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में 63 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बतौर निर्णायक डॉ. अपर्णा व डॉ. कृष्णा हुड्डा उपस्थित रहे। यंग जर्नलिज्म सेल के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	06.10.2022	--	--

विश्व की संस्कृतियों को साथ लाने में अनुवादकों का महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान अपने आपमें एक उपलब्धि है और एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना एक बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के छात्र निदेशालय के अंतर्गत यंग जर्नलिज्म सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने कहा वास्तव में विभिन्न सभ्यताओं, भाषाओं, देशों और महाद्वीपों के बीच अनुवाद के माध्यम से ही संवाद संभव हो सकता है। इसलिए अनुवाद महज एक भाषाई गतिविधि न रहकर सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय महत्व का कार्य बन गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देशों के बीच राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बढ़ते हुए आदान-प्रदान की अनिवार्यता से भी अनुवाद एवं अनुवाद कार्य का महत्व बढ़ गया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि विश्व स्तर पर अपनी बात रखना केवल अनुवाद के माध्यम से संभव हो सकता है। हर देश को एक वैश्विक मंच देने वाला संगठन संयुक्त राष्ट्र के निर्माण में भी अनुवादकों की अहम भूमिका रही है। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय और डॉ. मंजू महता ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें सभी गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

इन विद्यार्थियों ने जीते पुरस्कार

प्रतियोगिता में खुशबु ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय तथा मोहित सैनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट व पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 63 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बतौर निर्णायक डॉ. अपर्णा व डॉ. कृष्णा हुड्डा उपस्थित रहे। यंग जर्नलिज्म सेल के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	06.10.2022	--	--

विश्व की संस्कृतियों को साथ लाने में अनुवादकों का महत्वपूर्ण योगदानः प्रो. बी.आर. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान अपने आपमें एक उपलब्धि है और एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होना एक बड़ी उपलब्धि है। अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने कहा वास्तव में विभिन्न सभ्यताओं, भाषाओं, देशों और महाद्वीपों के बीच अनुवाद के माध्यम से ही संवाद संभव हो सकता है। इसलिए अनुवाद महज एक भाषाई गतिविधि न रहकर सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय महत्व का कार्य बन गया है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि विश्व स्तर पर अपनी बात रखना केवल अनुवाद के माध्यम से संभव हो सकता है। हर देश को एक वैश्विक मंच देने वाला संगठन संयुक्त राष्ट्र के निर्माण में भी अनुवादकों की अहम भूमिका रही है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ विजेता विद्यार्थी

इन विद्यार्थियों ने जीते पुरस्कार-

प्रतियोगिता में खुशबू ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय तथा मोहित सैनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अन्य प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट व पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 63 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यंग जर्नलिज्म सेल के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।